एम. कॉम
द्वितीय वर्ष

वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम. कॉम (पुराना)

द्वितीय वर्ष

सत्रीय कार्य

2026–2027

जुलाई 2026 तथा जनवरी 2027 प्रवेश सत्र के लिए

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – **1100 68**

सत्रीय कार्य 2026–2027

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रति ात अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इन सत्रीय कार्यों को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जुलाई 2026 और जनवरी 2027)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जुलाई 2026** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2027** तक है।

2. जो **जनवरी 2027** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसंबर 2027** है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **15 मार्च** तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इन्हें **15 सितम्बर** तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -01**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**संगठन सिद्धांत और व्यवहार**
स्त्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -01/टी. एम. ए./ 2026-2027**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. किसी संगठन की प्रक्रिया में शामिल बुनियादी उद्देश्यों और चरणों का वर्णन करें। **(10)**

2. संगठनात्मक प्रभावशीलता क्या है? संगठनात्मक प्रभावशीलता के विभिन्न घटकों और निर्धारकों की व्याख्या करें। **(10)**

3. संगठनात्मक व्यवहार के व्यक्तिगत, समूह, संगठनात्मक और एकीकृत दृष्टिकोणों को समझाएं। **(10)**

4. व्यवहार में बदलाव लाने वाली रणनीतियों के बारे में बताएँ। क्या आपको लगता है कि ये रणनीतियाँ संगठन के लिए उपयोगी हैं? चर्चा करें। **(10)**

5. **निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए:** **(4X5)**

(क) ''सिद्धांत X और सिद्धांत Y, व्यक्तियों के स्वभाव के बारे में अपनी मान्यताओं में एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत हैं।'

(ख) 'अभिप्रेरणा में गैर-वित्तीय प्रेरक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।'

(ग) 'जॉब पुनः-इंजीनियरिंग, जॉब पुनः-डिज़ाइन का ही एक और तरीका है; इसमें फ़ीडबैक के आधार पर जॉब को फिर से डिज़ाइन किया जाता है।'

(घ) 'संगठनात्मक व्यवहार संगठनों में मानव व्यवहार के अध्ययन के लिए एक अंतःविषय दृष्टिकोण है'।

6. **निम्नलखित के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए:** **(4X5)**

क) क्लासिकी अनुकूलन और क्रियान्वयन अनुकूलन

ख) मैस्लो और हर्ज़बर्ग के सिद्धांत

ग) व्यवहारवादी सिद्धांत और स्थितिजन्य सिद्धांत

घ) नेतृत्व की एकतंत्रीय शैली और नेतृत्व की लोकतांत्रिक शैली

7. **निम्नलिखित व्यक्तव्यों की व्याख्या अति संक्षेप में कीजिए:** **(4X5)**

(क) समूह संसक्ति

(ख) प्रभावी संगठन बनाने में सहायक कारक

(ग) प्राधिकार का प्रत्यायोजन

(घ) किसी संगठन का प्रशासनिक सिद्धांत